[यःवेनाःश्चेःस्मानाःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्मान्यःस्

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \int_{\mathbb{R}^$

हुची श्राह्म राज्यी हुच दिश्य प्राप्त स्वराह्म स्वराह्म

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$

पड्टी कुर्या क्षा स्वास्त्र क्षा स्वास्त्र क्षा स्वत्य क्षा स्वास्त्र क्षा स् स्वास्त्र क्षा स्वास्

दशः ग्रीमान्त्राच्या श्रीमान्त्राच्या स्थान्त्राच्या स्थान्त्रच्या स्थान्त्रच्या स्थान्त्रच्या स्थान्य स्थान्त्रच्या स्थान्त्रच्या स्थान्त्रच्या स्थान्य स्थान्य स्थान्त्रच्या स्थान्य स्था स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

खेच्या हुं स्वत्य स्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य

মৃতিম

 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \cdot \frac{1$

4

 $\frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt$

न् स्टन्द्रेश ग्राहन्या व्याप्त विष्या वर्षा निष्या वर्षा स्टिश्च स्टन्द्रेश स्टन्द्रेश स्टन्द्र स्टन्द्रेश स्टन्द्र स्टन्ट्र स्टन्द्र स्टन्ट्र स्टन्द्र स्टन्द्र स्टन्द्र स्टन्द्र स्टन्ट्य स्टन्ट्र स्टन्ट्र स्टन्द्र स्

 $\frac{1}{2} \left\{ \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \left$

 $\frac{1}{2}$ म्या क्षित्र क्ष्म क्ष्म

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}$

वशा वशास्त्रकान

 $\frac{1}{4} \left[\frac{1}{4} \left$

श्राच्यात्रश्र श्रीच्यात्त्र्य हिन्द्रश्र प्राचे क्राचीयाची क्राचीयाची हिन्द्रश्र प्राचे क्राचीयाची हिन्द्र हिन्द्र प्राचे क्राचीयाची हिन्द्र हिन्द्र

दम् सन्तु त्यह्याभ्रीट भ्रीतृ क्ष्याच्या क्याया सम्प्राच्या स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया

বাইশ

क्रीर-रट-८र्गूब-म्री-पबिट-७म्रोक-फ़्रे-मे-म्बर्ग-७८-भ्र-८र्ग-भट-मिन्य-फ्योश-क्योश-मुब-स्था हे-भ्र-तंत्रे-क्रिय क्षिय त्रव . बुचा . थे. क्या या हे. त्ये . इंटा त्यू र . बुच . त्या या के. सूरी विट . क्या ना बुचा त्या त्या हे. त्यू र . क्यू या ना स्वाया या या विषया म्बनःदुरःबन् महरःन्में श्रःसःसःसेन् न्स्रा

भुं विनयः ह्यान्। यावरान्तरः ह्यान्। गेहे न्वेंद्रन्यते भ्रे विनय्तरः नम्यत्रे क्षेत्रः विनयः ह्यान्। यहे विनय ઌૢઌૺ.ૹ.ૹૹઌ.ૹઽૺૠ૾ૺૺૺૺૺ૾ૹૡૢ૽૽૾ૢ૽૱ૹ૾ૢૢ૽ૼ૱ઌૢઌૺૺઌૺૺઌૺૹ૽ૺૢ૱ૢ૽૱૱ૹ૿ૼઌૹૺૺ૽ૣ૱૱ૺૢ૽ઌૢઌ૱ઌ૿૽ૹ૾૽ઌ૽ઌ૱ૹ૽૽ૼૺ૱ૺૢૡૢઌ૽ૹઌ૽૱ઌૹૢ૽૱૱ઌૺૹૢઌૺ૱ઌઌ૱ઌઌઌ૽૽ गर्नेव से अस्त्री हेना से रामिक भागी वर पेना वे राष्ट्र रे नर्स्रेव र से रामिक रामिक से के पानिक से के मान से सकता हैना क्षुत्र चर् हूर्र क्री. शर पाष्ट्र क्र. कर्र अहर रेगी पाष्ट्र रेरा पाष्ट्र क्री. बर विश्व क्रा. क्री. क्री. क्रि. क्री. '૨૬:૬ર્મે|વ:શું) ફેંશ ખેતા તાર ખેવ વશેશશ ફેંતા ૧૨:શે ફેંતા નો નગાવ ૧૧ શ ફેંબ શાયવ ૧૬ ફો ૧ ફ્રાય ૧૧ ૧ન વસુર વધે म्बिसमार्द्यात्ममान्त्रम् स्थिताः पुरानमान्त्रम् ।

माया है। हिन्द नामी भा "ने राष्ट्रे वा क्षेत्र न राष्ट्र अपने प्रतान में राया में वा मान मान मान का किया के मा कट्रमार्ल्य, इथा मित्राम् स्वाप्तिया मित्राम् स्वाप्तिया स्वाप्तिया वित्या वित् शुः धेव रहरा व्हिरमी प्रकरमित क्रिया कर राक्षेत्र वास्त्र सम्भव सम् विकास विकास मित्र विकास क्रिया के किया विकास मु भुेन महर्भास्त्र म्यान्य स्ट्रास्य म्यान्य स्टर्भ स्त्र म्यान्य स्त्र स्वर्भ स्त्र म्यान्य स्त्र म्यान्य स्त्र म्यान्य स्त्र स्त्र म्यान्य स्त्र म्यान्य स्त्र म्यान्य स्त्र स्त लुब्, बुंश, मुंशश, शुची, यम्नू, यपुर, र्ययर, ये. यो. र. व. वु । तु. लाश, कीर. की. शीश, व्यत्न, त्यां शास की. य

र्देन है। दे द्वाद्य द्वाद्य स्थादिर क्षेत्र श्वादर शुर्णिन स्टरी द क्वेंदे यावाद विवेधा मत्रद स्वाद श्वाद शामिश क्वें अधीमा क्वें अभाक्षेत्र । मिष्यत्रकाः सम्बद्धम् ॥ इकाः सत्तः सद्धम् स्वतः स्व चतुः योष्याः चध्वः क्ष्याः मान्याः मान कवे न्तु नडु में खू डबा वा ने नडन विश्व रायने वे मन कें राम कें प्यार विश्व मार्थ निया में निया में मार्थ मा

ब्रुस्-नर्जीयासस्मा व्योगावनुगा डेयागुरामध्याने र्वेन हिंदी

रेत्। ईं अप्येनापद्मे चेरानदी रत्तरे तर्नो वारापदी पायळें वावा अप्यात्मानी वाराप्ते वारापी पाया स्वारापी ने विपा क्षेत्रभात्रात्राहर्भात्रभवत्त्रात्रीत्रात्त्रात्रात्रीयाची रकायते वाकासान्त्रात्त्रीत्रात्रात्त्रम् १५०० हरः होया १५०० हरः होता स्वाप्ति होता होता होता होता है। त्याता.बुटा। खर्यात्रान्टः कूर्यानाप्रान्नाञ्च योत्राप्यान्त्रान्त्रान्त्राप्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त क्ट्रॅब-डब-क्ट्रॅब-डब-बेन-च-प्यम्। प्या-पोब-५-पोवप-देश-चंदे-क्ट्रूब-बव-क्टें-के-प्य-क्रे-बेन-चर्-क्ट्रूब-क्ट्रि-बिया-पोश-सूया-५अ-५८-।

क्ष्रीर-रर-रेदे र्विर-सुनायरे ता वर-रम्भव अळव हे नि.मी.क्ष्रीर-मी.क्ष्रीय विनाने नावय सः क्षेत्र का स्पेन-रा सेव मी सर-मी.र्था मासून देवा नात्र रा चे स्वता प्राप्त हिंग के स्वता के स्वता कर हैं कि कि स्वता के स्वता के स्वता के स्वता के स्वता क

मृष्यास्तर्या ह्याशान्त्रा हे.स्व. क्ष्यां त्यांते.स्ट. वांत्रे पार्ष्व क्ष्याः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्षयः

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{N}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{N}} \frac{1}{2}$

्वतालूट्ट्या याब्ट-जूट्ट्ट्ट्ट्या याब्ट-जूट्ट्ट्ट्ट्या याब्ट-जूट्ट्ट्ट्या याब्ट-जूट्ट्ट्ट्या याब्ट-जूट्ट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्ट्य-याव्या याब्ट-जूट्य-याव्या याब्ट-जूट-याव्य-जूट-याव्या याब्ट-जूट-याव्या याब्ट-जूट-याव्या याब्ट-जूट-याव्य-जूट-याव्या याब्ट-जूट-याव्या याव्या य

 $\frac{1}{\sqrt{2}} \left[\frac{1}{\sqrt{2}} \left[$

 $\begin{aligned} &\text{avg}(a,a,m,r) = \int_{\mathcal{G}} (x^2 + x^2 + x^2$

चन्न महित्य है । वित्य स्वाधित स्व

शक्र्य-भूष १८ श्रा-मू. त्यर-श्र-प्री-प्री-प्रीय-प्री-प्रीय-

मूट्ट तम्बर्गा चित्र वर्षा मुक्ष स्वाप्त क्ष्म स्वाप्त स्वाप्त क्ष्म स्वाप्त स्वाप्त क्ष्म स्वाप्त स्वाप्त क्षम स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्

हुवाः श्रह्नरः ब्रेशः क्षेत्रः व्यान् वित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्र देशः नामः वदः ब्रेगः क्षेत्रः व्यान् वित्रः वित वित्रः वित्र

भैचकाश्री कु.का.क्षेचकाक्ष्य किलायचावका किटाकाक्ष्य विश्वासाय प्रमुच्यका विष्टा निया प्रमुच्यक्ष विश्वासाय क्षेत्र स्था क्

ξį

ઌૺૹઌ૾ૻૼૼૼ૱ઌૹ૱ૡ૽૱ૡ૾ૺ૱ૡૢૼ૱ૹૻ૽૱૱૽૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺૹ૱ૹૢ૱૱ૹૢ૿ૺ૱૱ઌ૽૾૱ઌ૽૽૱ઌ૽ૹઌૹ૽૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૹ૽૽૱ૡ૽ૺૹઌ૽ૻ૽ૼ૱૱૽ૺ૱ૺ૱ૺૡૼ૱ઌ૽૱ इव क्षेर रूषा वशान में क्षेत्र निर्मात निर्माण करी । त्यीर ना को निर्माण क्षेत्र में वशान का त्या का वशान का वशान का की है। क्षेत्र की क्षेत्र की में किया की निर्माण की निर्माण

अपाबि दशः से : र्रे वा क्री : क्रुंस: प्रायः में दश्वनाया नवताया । विक्रेंस: प्रायाया हार दशाविना वाया वाया विकाय

ર્ક્કેન્'કો·વ્ફના'નવે જન્-ઉક્કેનસ-શુર-નસ| સેક્ષસ-શુ-ક્રક્કેના'ર્સ-વર્ને 'નનર એન્-ઉ-શોવ-સેન-વ) બેન્-શી-તુ-ફ્રના સેનાને પ્યન-નનર એન્-ઉ-र्वेर:शॅटः।

- दुशःश्रेष्ठ-व्राम्बन-म्बन-प्रस्मिश-प्रदेग्याः ग्री-प्रस्कृत-व्याः श्रेश्यश-क्रुप-विराद्यशास्त्र-प्राप्येष्ठ-ॅर्बन'गुरः। नृत्ते लेश'र्षेब्र'वमाब्र'वहेब्र'क्षुब्र क्वेंग्रशः चेर'नार्श्रेग्रशःगुरु।माब्रुशःशःषेब्र'रवे क्षेत्र'मोर्डन्'ग्री'व्यम्'इर'माश्रग्नार'न्'नमुरुराने ।

मि.सूर.अष्ट्रयाची ट्या.झूश.तम्, थु.कुश.कूर.चक्केट.जूर.टेवश.कै.कंबायश.वृत्यातातात्वात्त्राच्चायात्वात्त्राची वी.स्या.टेशचीश. ज्ञव-वर्त्र-मद्भास्त्रा-मास्रान्धेव है। व्रिम्प्यान्द्रमाह्म व्यत्ते वात्री वित्रह्वे वे प्रमास्य वित्रहेते वा वित्रहेते व

.व..च्री ट्र्टूश.योबर्श.व..वंट..टे.ब्रू.योश..दे..वश्रश.योबुवी.टंट.। ष्ट्रू.क्व..टे..बच.क्रे.बुच.तटेवी.योबंट.टे.गू.श.स.झ.टंट.ट्रश

त्वीरःश्रेन्ता भ्रेंदर्दरम्भावातामञ्जूबावर्ष्यन्त्रम्। स्वातान्त्रम्। क्षेत्रामान्त्रम्। क्षेत्रम्।

क्षेर:मॅ.जशःग्रह:क्षेर:मूर:मूर:मवर.जयपार,ट्याजान,ट्राज्याजयःम्.सूर:बशा वह्य.बर:कु:बर्म्यामीश:जशःयावयःवुगारटः। दशुपाशःलेजा

यद्यत्रमार्श्वेद्वर्श्वरामाः मह्त्रमार्थामह्र्या महित्रकृते वित्रमार्थे । वित्रमार्थे निष्या महित्रमार्थे । वित्रमार्थे निष्या ध्यनायदे निवेश्वादा विकास के प्रति प्रकास के विकास के वितास के विकास के वित ला.बुच.वहंबा.चंट.चकंबा.चंत्रेच.चेश.हे। द्रवाश.संबुच.संबेबश.इ.२ब.स्वृण्य.शहे.वच.मो.सवाश.वश.चेट.चव.लामा.सन्वेस.हो र्न्यूटश्रासायायोषुर्यस्थात्त्रेह्रा र्मूब्रासायनेवृत्यस्त् वर्ष्याद्वेश्रासायस्य वर्षात्रेश्रासायम् वर्षात्राम् हिंगो.ज.मुगोबासकामोध्यकारम् स्टार्टनटक्षेत्राचार्यकरकामोद्ध्यायश्चेत्राम स्टामी श्चृत्याप्रेमानस्याप्रेश्चायावयाम् श्वितामान्याप्रेमानस्य ૡઽ૾૱ૺૹૢૼઌૼ૽૿ૼ૱૽ૢ૽ૺૹ૬ૢઌ૾ૹૼૺ૽ઌ૽ઌૺ૱ઌૢ૽૱ૢ૽૱ૻ૱ૹ૽૽ૢ૽૽ૢૢૢૢૢૢઌૹ૱ઌ૽ૡ૱ૹૢ૱ૹૢ૽ૺૡ૾૽૱ૢ૽ૢ૽૽ૺૹ૾૽ૺ૾ૹૢઌૡૢૢૢૹઌૡૢૹૢૻ૱૽ઌૢઌૢ૱ૢ૽ૢૺૢઌ ज्ञानामा में विनायहर्मामा सम्मास स्वास्त्र स्वास में मार्च निया है। इता है। में ज्ञान मार्च मार्

रचरा वर्ते दे सिचरा शा.पीय ही. शुचा वरः हो । छ्रास्या स.प. वही स.च हो वा स्राप्त नुमान् विन्यतम् विन्यतम् विन्यतम् विन्यतम् विभान् मृत्यतम् विभान् मृत्यतम् विभान् विभान विभान् विभान विभान् विभान

ने प्यर स्टर्निव क्री प्रदेव क्रीं र न्यर्थ मोर्डे रुव तु पर्के मिलेव प्रेर्म खुनाथ निराम क्रिस क्रम क्रिक क्षेत्र र्ह्मेन मामन क्री ने शार्लेन तमान पहेन क्रिन क्रिन माने राम हो। "राक्केर क्रिया सहन तमान सहन क्री क्रिया प्रमेन ૣિત્ર-ાહુના 'કેના બ્રિન 'દ્વેશ" હુના સામે કહેના સામે કારા વાવરા ફાના નાકુના તે કુના હુનો કુના કુના કહેના કુના હ - મુસ્તાના કુના બ્રિન 'દ્વેશ" હુના સામે કુના કુના કુના વાવરા ફાના નાકુના તે કુના કુના કુના કુના કુના કુના તાને यद्यामुदे यदेव या वे या वे शार्या द्राह्में में शाही में विश्वारी में विश्वार मुदे में यश में विश्वार मार्थ में मार्थ में प्राप्त में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मा ૡૢ૽ૡૺ.૱ૢ૾ૡૺ.૱.ૢ૾ૺ.ૡઽૹ૽૽ૺ૾૾ૺૢઌૺ૱ૢ૽૱૱૱૱ૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺ૾ૺ૱૱૱૱ૺૡૢ૽ઌૢ૱૱૱૱૱૱ૡૢ૽ઌૢ૱૱૱૱૱૱૱૱ૡૢ૽ઌ૽૱૱ૡૺૡ૽૽૱૱ૡૺૡ૽ઌ૽૽૱૱ૡૢ૽ઌ૽૱૱ૡ

ढेवे हुँ र बे ज्या ने के मिं में श्वर संवे सहस्र अळश्य मान बेवा मी अञ्चय व्यस विन्या स्थान स्थान ने में व सवे हुँ वा विस्तर के बेवा मी मावन निर्माण न मार्थिया हु मार्लू ट.क्ट्र ता है। विचालेया लूब त्याव तह्य केया कूया मार्जिया वृप्त योज्ञा हुन त्या मुंदा विचालेया हुन त्या मार्थी वहेदे न्याना इसमाया प्रमार्थे में के के मान्या के मान्या के मान्या के साम्या के साम्य के साम्या के साम्य के साम्या के साम्य के साम्या के धेवर्वे।

चलुब.२। क्रा.मेश.स.सू.प्र-ट.च्यूब.ता.क्याश.चलुब.२। क्रा.ताश.क्ष्य.क्ष्ट.ता.स्ट.यी.योबशाशवा.सूब.मू. खुया.लुब.स्या.स्या.स्या.स्यू. वर्गानः र्शेनः र्सेन "डेर्गामित नम् वर्ते हो र्श्वेषा गार्शेन पुरास्ति ।

য়ৢ৾৽ঀয়ৼয়য়ৣয়ৡ৾ त्तृ .बु.रमाम्यास्ताचनमाम् .चि.री.क्री.राष्ट्रपीमान्त्रमाल्यालू राष्ट्रपीमान्त्री त्तृ .बु.रमामाज्ञमान्त्रमान्याज्ञमान्त्रमान्त

ह्ये व्याप्त विश्वास्त्र के स्वाप्त के स्वाप

न्नरः क्षेत्रः चन्यः क्षेत्रः तुः सुव्यः नवे रत्ते अः सुव

ना-र्याः लेव-व-वन्त्रव-द्रमः वेश-क्रना वना क्रेन् स्मार्थि

वे.चाहे.श्वा.मू । ने.वु.के.जूच.नजू.वुम.चुर.हे। कर.म.चेट्र.कै.सूचमानव्य श्वीमानू.वक्ष.चर्.तव.हेर.कै.लुव.चुर.वे.वु। ४४८-र.जुर.हेर.हेर.हे इत् ग्लेट नित्र मित्र श्लेषा श्लेष्ट में विषय प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य प्रत्य के प्र

ॅद्व[्]टे.क्श.स.क्ट्र-रट.क्केंब्र्ट्श.ज़ब.ग्री.क्ट्र.ब.जूबा.टट.चल.डुट.। क्केंब्र-वर्ड्ट.ल.क्र.स.बाट्टेट.ब्रश.स.व.क्षेश.ट्रीय.ट्रा.ब.क्र.च्या सट.क. नमेव क्षेत्र नमा नावरा खना का व्यापा पा जाया पा जाया पा जाया है निया है निया है कि नमा विकास की निया के निय

 $\text{and}_{\mathcal{L}^{-1}} = \text{and}_{\mathcal{L}^{-1}} = \text{and}_$ र्देशमधि नात्रशाधितमा भ्रामा व्याविम

 $\text{me.ulod.} \text{a.g.} \underbrace{1, \tilde{g}}_{\text{t.t.}} \underbrace{\tilde{g}}_{\text{t.t.}} \cdot \text{a.g.} \underbrace{1, \tilde{g}}_{\text{t.t.}} \cdot \text{a.s.} \underbrace{1, \tilde{g}}_{\text{t.t.}} \cdot$

चिश्वात्तालश्चात्त्रम् क्ष्यात्त्रम् चीत् क्ष्याक्षेत्रम् त्वेतास्त्रम् क्ष्यात्त्रम् न्यस्त्रम् न्यस्त्रम्यस्त्रम् न्यस्त्रम् न्यस्त्रम्

चुश्चर्याच्याः चीत्राः विद्याः विद्यः विद्याः विद्याः

ट्रे. ट्रेश.चेंच्. प्रम्. ग्रीश.ग्रीट्. केया चेश.मश्री प्राष्ट्र. केया शाव शालमा श्रीम. जेंचे. ट्रे. ट्रेशम्श्रीम. श्रीश.व्यीशा. श्रीश.व्यीशा. श्रीश.व्यीशा. श्रीश.व्यीशा. श्रीम. जेंचे. व्याचा. व्याच. व्याचा. व्याच. व्यच. व्याच. व्यच. व्याच. व्याच.

वनश्रद्धाःवशःलयः स्रोत्तान् वर्षः सुर्वा के क्षिः सुरावित्वा के त्या के त्या

 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2}$

क्रुव थ्व विगागार व र्थे र रू

 $\frac{1}{1} \left[\frac{1}{2} - \frac{1}{2} + \frac{1$

क्त्रीत्र क्ष्या क्षेत्र क्

स्टिश्चित्ता क्षेत्राच्याची प्रत्याची स्टाह्मी क्ष्र्याचे प्रत्याची प्रत्या

मीड़चा चिका थी। है. त्यार मीबीर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मीड़चा क्षेत्र क्षेत्

राज्ते से १ अप्या व्यक्षा वे प्राप्त विकास विकास के किया है। विकास के किया के किया के किया के किया है। विकास के किया है

चिमाने। यांवे व्यमासा द्वापा वर्त्ते वासा यामा या वर्षा में ना से ना . ૪૨.૮મૂથિ. શુ. નુષ્ય ૪ મી. મુ. મૂજ. તેમાં જાયા જાયા જે તર્સું કો કો જાયા છે. ધ્રયા તર્સા કુષ્યા નુષ્યા કુષ્ય કા ના વર્ષ છે. વર્ષા વર્ષીયો તરીયો તેમાં તેને પ્રાપ્ત કુષ્ય ના તુમાં તેમાં જાયા તેને ત્યા તરીયો તેને તેમાં . केश.प्टेया. इ.र. क्रि. क्षेत्र, स. क. क्रु.या. या हुया. दशा. प्राचा. प्राचा. प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्र - द्यामना नी नीर्चू व श्वनाय है : क्राया हे क्राया श्वर ही : देराया अव हो : ख्या क्राया व स्थाप क्राया व स्थाप दुरम्बद्राधे हेंनामा ६०१ मन्द्रम् स्ट्रेन् हेन् हो हो हो ह्या सर में हे नक्षेत्र हु से निर्देश हो ने निर्देश सहत्र सर ने निर्देश मान्या सहया 'नर्जे अ'द्युन्'नवे 'र्क्कुं'वार'वर्ने । ने 'र्नर'न्य'क्षे'वर्ने अ'वनश्राः बेन्'र्कुं'व्यथ'नु'खुर'र्केर'। रशःयमेव संतुः मोवेशः स्योधाः अः खुयाः संस्थाः संस्थाः संख्याः स्थाः संस्थाः स्थाः स याठ्या संपुर होट विश्व अप सहिता हूँ ये श्रीव त्यारा निरामी से ता तरे निर्याश्वेद विश्व महिता हो। याया हे त्या विया वी याट सा विया मी शाया माना हे सा . ब्रेट ब्रेट्स महिना में साम क्रिया स्वाप क्रिया के साम क्रिया के साम क्रिया के साम क्रिया के क्रिया क्रिया के क्रिय · वित्र गुरा श्चिर व्येते पा इति शेवा उत्तर । वरेत पति श्चिर वित्र गुत्र श्चेश श्चे पाशवात्तर पाशवात्तर शिक्ष व वित्र गुरा श्चिर वित्र श्चेता वित्र पति श्चेता वित्र श्चेता वित्र स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स् ·वान्तेशार्ल्य क्रिं नार्बे हिंदानी मिंदा प्राप्ता नावदा आहेता बेदा के ता क्रिंग विष्ते प्राप्त क्रिंग क्र ह्मर्यानाड्यायमान्वत्तुः हेरामानेयाड्यानयम्यायेनायम् इत्ययाचीयमान्यास्य विषयास्य विषयास्य विषयास्य विषयान्य वि नशर्भुः बेद्राद्यनः बेद्रानु ग्रमुः रायदे श्रो स्कुनः स्ट्रिये क्क्षेत्रं स्थायन्तु श्रो स्पृतान्य विद्याल्य स्थायन्त्र स्यापन्ति स्थायन्त्र स्थायन्ति स्थायन्त्र स्थायन्ति स्यायन्ति स्थायन्ति स्यायन्ति स्थायन्ति स्यायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्यायनिति स्यायन्ति स्थायन्ति स्थायन्ति स्यायन्ति स्थायनिति स्यायनिति स्थायन्ति स्यायनिति स्य २.२८.१४८.३१ म्बाराक्ष्राची रमूष्राम् कुष्याम् एष्टा विचाना र्याचि । इत्राचि । इत्राच निहरा है। नर्गेदारा केदार्गे देवा में दिराया के दिया है। वहारा सारा में प्लिना होने राजका देवा है। से देवा केद न्त्रम् निवाकः के विदारका विवाद मार्केट क्या होत् क्या होत् क्या होता का विवाद क्या निवाद क्य ॱन्सूये.तपु.वेट.ला.सबेय.ब्रीलालवीट.वचका.श.तचट.ट्री प्रट.पु.व.मू.व.कु.तट्री.ट्रका.च.ट्रूय.ब्री.कुट.वका.बिला.चतु.चकेय.त.पु.व.तू.कु.वहूय.ब्रीट.कुला. .चीश्वरा होट खिरा राष्ट्र क्रू इं. कुर्य हूं . खुचा थि. तची र. हायरा ता तयर हुं चीया ही। चीवर हूं ये हाया ना कू [यम्] योर्ल. में . मे क्षे भे भे प्रत्याया न दे भे प्रत्याया न में प्रत्याया न में प्रत्याया न में त्राया प्रत्याया में त्राया मे त्राया में त्राय में त्राया में त्राय नाबर र व व हिन क्र. व बुना ने न लावर र नमूँ राम र न निया के राम है राम व महरा व व व व व व व व व व व व व व व व व

. इ.ट. । पाठुचा चित्राची ट.वेशाचबंट स्पेशाचचाव स्थेव क्ष्यांशाकी सेपा तात्रा पावेट क्षियांशाचट स्थेव क्षये प्रचट स्था क्षया पाठुचा कि स्था क्ष्या स्थेत हिससार् सुन्ते वर्षे वरत

ालूच इम्स्य खुबी तिश्चम्यात्त्र प्रविद्यात्त्र चेद्या कुच स्था लुच हो। भिलायम कुची लुच च त्या शुमी लुच च त्या कुची कुची राज्ञी ल्लब विषय प्रमान के विषय के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के . सॅन्: बेन् बे किंग् अर्धुः ने न्या व्यक्तियाम् अर्थः विद्यान्य प्रति । स्वाप्त प्रति । स्वाप्त प्रति । स्वाप्त प्रति । स्वर्षेत् प्रति । स्वाप्त प्रति । स्वर्षेत् प्रति । स्वर्षेत् प्रति । स्वर्षेत् प्रति । स्वर्षेत् । स्वर्षेत्र । स्वर्षेत् । स्वर्येत् । स्वर्येत् । स्वर्येत् । स्वर्येत् । स्वर्षेत् । स्वर्येत् । स्वर . ચાલ્ક્વ.નમ. ત્રેકા માના ત્રામાં કું તરા મુંકું વરા મુંકું તરા મુંકું તરા તરા તાલી તે. માંકું તાલા વરા તાલા મ वे रूरारुगायसम्मरायद्वावेगानुःविद्येत् श्रेतात्सा

इश्च बश्च श्राणवानव में विक्ता के विक्ता के विकास के वित

चाह्नर-क्री-सीक्षाक्ष्य विचान्त्र स्था क्ष्य स्था क्ष्

यः के के हैं है जिस्पाये स्वाहित क्षा स्वाह

지역·漢본·보시조·희·美·콩도·보·평리·葵씨·비眞제·희·청제·영도· 토영·비영제·대·병역·희·관·葵씨·비롱·됐던 ·대명·보영·포도·제근소제·보·혈리·葵씨·비영제·희·정제·제 [其·共·황·희·제] 보인·청·교세 보제·대·葵포·田夏·평·조·환조·충제·설제·에 [其·共·황·희·제] (전·청·제) (전·청·교) (전·청·교) (전·청·교체 (전·청·교제 (전·청·교체 (전·청·제 (전·청·교체 (전·청·교체 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·청·제 (전·전·전·제 (전·청·제 (전·전·전·전·제 (전·청·제 (전·전·제 (전·전·전·제 (전·전·전·전·제 (전·전·제 (전·전·전·제 (전·전·전·제 (전·전·전·전·전·전·전·전·전·전

\$\text{\tilde{g}} \tilde{g} \tilde{g

चूंचीयात्त्र्यम्बर्याष्ट्रवि वश्यकात्वर् स्वेजारी पश्चीर मिल्यी विकामी र्येश में र्याचित्र मार्टर वर्ष तार वयका द्वा विवा लूरी

रेट्। ट्रेशागुराधूना नश्यानवरार्थे विनापकर हियायान नहेनानशा दर्गेन सायदेते हें क्षेत्राम केराना क्षेत्रा रेते हें नु द्रार्टन वहेन सार्के या नहायन

्रवेन श्रूम मित्र के का कि ता के का कि ता का कि ता के कि ता के कि नाम के का कि ता के कि ता के कि ता कि ता के कि ता कि त